RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जुलाई
09
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

अमरावती क्वांटम वैली घोषणा / Amaravati Quantum Valley Declaration (AQVD)

संदर्भ:

आंध्र प्रदेश सरकार ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए *Amaravati Quantum Valley Declaration (AQVD)* को मंजूरी दे दी है। इसका उद्देश्य राज्य को *क्वांटम विज्ञान और प्रौद्योगिकी* के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करना है।

Amaravati Quantum Valley Declaration (AQVD): प्रमुख तथ्य

उद्देश्य व परिकल्पना:

- AQVD ने **अमरावती को भारत की "Quantum Capital"** के रूप में स्थापित करने का संकल्प लिया है।
- यह पहल भारत के **राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (National Quantum Mission)** के अनुरूप है।

मुख्य भागीदारी:

- इसमें **आंध्र प्रदेश सरकार**, **IBM, TCS, L&T** जैसी वैश्विक तकनीकी कंपनियाँ, **अकादमिक संस्थान** और **स्टार्टअप्स** शामिल हैं।
- इसका उद्देश्य एक **गतिशील क्वांटम नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र** (quantum innovation ecosystem) का निर्माण करना है।

निवेश लक्ष्य:

- **$1 बिलियन का निवेश** 1 जनवरी 2029 तक लाया जाएगा।
- पहले चरण में **$500 मिलियन का लक्ष्य 2027 तक** रखा गया है।
- यह निवेश **क्वांटम कंप्यूटिंग, चिप्स, सेंसिंग और संचार** जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित रहेगा।

प्रमुख उपलब्धि: QchipIN-

- AQVD के तहत **QChipIN**, भारत का सबसे बड़ा **ओपन क्वांटम टेस्टबेड** स्थापित किया जाएगा।
- यह क्वांटम कंप्यूटर्स को एकीकृत करने वाली एक अत्याधुनिक प्रयोगशाला होगी।

महत्त्व:

- अमरावती को **वैश्विक क्वांटम अनुसंधान केंद्र** के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम।
- **पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप** के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा।
- **उन्नत विज्ञान में रिसर्च और स्किलिंग** को प्रोत्साहन।
- यह भारत की **तकनीक-आधारित आर्थिक वृद्धि और रणनीतिक तकनीकी आत्मनिर्भरता** के लक्ष्य से जुड़ा हुआ है।

क्वांटम कंप्यूटर और इसकी तकनीक के बारे में:

क्या हैं?

- क्वांटम कंप्यूटर एक **क्रांतिकारी प्रकार की मशीनें** हैं जो **क्वांटम यांत्रिकी (Quantum Mechanics)** के सिद्धांतों पर आधारित होती हैं – यानी परमाणु और उप-परमाणु कणों की भौतिकी।
- ये पारंपरिक कंप्यूटरों की तुलना में **गुणात्मक रूप से अधिक तेज** होते हैं और **molecular simulation, optimization, cryptography** जैसे जटिल समस्याओं को हल कर सकते हैं।

Quantum Computing के मुख्य सिद्धांत:

- **Qubit:** क्वांटम जानकारी की सबसे छोटी इकाई; यह क्लासिकल बिट (0 या 1) के विपरीत एक साथ कई अवस्थाओं में रह सकता है।
- **Superposition:** एक ही qubit एक समय में **एक से अधिक अवस्थाओं** में रह सकता है, जिससे समानांतर गणना संभव होती है।
- **Entanglement:** दो qubits आपस में इस प्रकार जुड़े होते हैं कि एक की अवस्था दूसरे को तुरंत प्रभावित करती है, चाहे वे कितनी भी दूर हों।
- **Quantum Gates:** ये qubits को नियंत्रित करने वाले ऑपरेशन होते हैं, जो क्लासिकल कंप्यूटर के logic gates के समान होते हैं लेकिन अधिक जटिल होते हैं।

रणनीतिक महत्त्व:

- क्वांटम कंप्यूटिंग को एक **dual-use technology** माना जाता है, जिसका उपयोग **राष्ट्रीय सुरक्षा, स्वास्थ्य, अनुसंधान**, वित्तीय और लॉजिस्टिक समस्याओं को हल करने में किया जा सकता है।
- भारत के लिए स्वदेशी क्वांटम क्षमताओं का विकास अत्यंत आवश्यक है, ताकि **विदेशी क्लाउड-आधारित क्वांटम सिस्टम** पर निर्भरता न रहे और **डेटा संप्रभुता (Data Sovereignty)** सुनिश्चित हो सके।

आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलें / Genetically modified (GM) crops

संदर्भ:

अमेरिका भारत पर दबाव बना रहा है कि वह जैव-संशोधित (GM) उत्पादों जैसे सोयाबीन मील और डिस्टिलर्स ड्राइड ग्रेन्स विद सॉल्युबल्स (DDGS) के आयात की अनुमति दे – जो पशु आहार के रूप में उपयोग होते हैं। DDGS एथेनॉल उत्पादन की प्रक्रिया में बना एक उप-उत्पाद है। हालांकि, भारत ने अब तक घरेलू स्तर पर भी GM फसलों को लेकर सतर्क रुख अपनाया है, ऐसे में आयातित GM उत्पादों की अनुमति देना सरकार के लिए एक कठिन निर्णय बन गया है।

जेनेटिकली मोडिफाइड फसलें: प्रमुख जानकारी

परिभाषा:

- **Genetically Modified (GM) crops** वे फसलें हैं जिनके **डीएनए (DNA)** को **आधुनिक बायोटेक्नोलॉजी या जेनेटिक इंजीनियरिंग** की मदद से बदला गया होता है।
- इसका उद्देश्य ऐसे गुणों को शामिल करना होता है जो प्राकृतिक रूप से मौजूद नहीं होते या पारंपरिक कृषि विधियों से प्राप्त नहीं किए जा सकते।

इतिहास: पहली वाणिज्यिक GM खाद्य फसल **1994 में अमेरिका में विकसित टमाटर** था, जिसे आम जनता के लिए उपलब्ध कराया गया।

वैश्विक स्थिति (2023 तक):

- 2023 तक **200 मिलियन हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र** में GM फसलें जैसे **सोयाबीन, मक्का, कैनोला आदि** उगाई जा रही हैं।
- ये फसलें **76 देशों** में खेती के तहत हैं, जिससे यह तकनीक वैश्विक स्तर पर तेजी से अपनाई जा रही है।

भारत में स्थिति: भारत में **Bt कपास (Bt cotton)** एकमात्र **वाणिज्यिक रूप से स्वीकृत GM फसल** है, जिसे कीट प्रतिरोधी गुणों के लिए अपनाया गया है।

Other GM Crops in India: प्रमुख जानकारी

Bt Cotton:

- भारत में **एकमात्र वाणिज्यिक रूप से स्वीकृत GM फसल**।
- इसने कपास उत्पादन में **महत्वपूर्ण वृद्धि** की है और कीटों के नियंत्रण में कारगर सिद्ध हुआ है।

Bt Brinjal:

- **2009 में GEAC (Genetic Engineering Appraisal Committee)** द्वारा स्वीकृत किया गया था।
- लेकिन सार्वजनिक चिंता और वैज्ञानिक मतभेदों के कारण उस पर **moratorium (अस्थायी रोक)** लगा दी गई, और अब भी यह **पुनरीक्षण प्रक्रिया** में है।

GM Mustard:

- **दिल्ली विश्वविद्यालय** द्वारा विकसित की गई पहली GM खाद्य फसल।
- इसे **बीज उत्पादन और परीक्षण** के लिए स्वीकृति मिली है, लेकिन अब तक **वाणिज्यिक खेती की अनुमति** नहीं दी गई है।

भारत के लिए जी.एम. फसलों का महत्व

1. उत्पादकता में वृद्धि (Bridging the Yield Gap):

- भारत की कपास, दलहन और तिलहन की उपज वैश्विक स्तर से काफी कम है।
- Bt कपास ने उपज को तीन गुना तक बढ़ाया, लेकिन अब भी भारत का औसत **504 किग्रा/हेक्टेयर** अमेरिका (1,008) और चीन (1,761) से पीछे है।
- GM फसलें इस **yield gap** को पाटने में सहायक हो सकती हैं।

2. लागत में कमी और रसायनों पर निर्भरता घटाना:

- Bt कपास ने कीटनाशक उपयोग में **50% तक की कमी** की, जिससे लागत घटने के साथ-साथ पर्यावरणीय सुरक्षा भी बढ़ी।

3. जलवायु अनुकूलन क्षमता में सुधार:

- GM लक्षण सूखा, बाढ़ और गर्मी जैसी परिस्थितियों में सहनशीलता बढ़ाते हैं।
- यह भारत की **मानसून-निर्भर और जलवायु-असुरक्षित कृषि** के लिए बेहद आवश्यक है।

4. पोषण सुरक्षा का समर्थन:

- **Golden Rice** और **आयरन/जिंक युक्त अनाज** जैसी GM फसलें **छिपी भूख (hidden hunger)** से लड़ने में मदद कर सकती हैं।
- इन्हें **PDS और Mid-Day Meal योजनाओं** के पूरक के रूप में उपयोग किया जा सकता है।

5. किसानों की आय और निर्यात प्रतिस्पर्धा में वृद्धि:

- Bt कपास से विशेषकर गुजरात में **कृषि विकास और किसानों की आय** में इजाफा हुआ।
- व्यापक GM अपनाने से **निर्यात (जैसे कपास, सोयाबीन)** को बल मिलेगा और **आयात (जैसे खाद्य तेल)** पर निर्भरता घटेगी।

6. भारतीय अनुसंधान और नवाचार को मजबूती

- **GM सरसों (DMH-11)** जैसी स्वदेशी तकनीक भारत की नवाचार क्षमता को दर्शाती है।

जैव अर्थव्यवस्था / Bioeconomy

संदर्भ:

भारत सरकार ने 2030 तक अपनी बायोइकोनॉमी को $300 अरब तक पहुंचाने के संकल्प को दोहराया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नीतिगत प्रयासों में निरंतरता, तेजी से उभरते स्टार्टअप्स, और महत्वपूर्ण बायो-इन्फ्रास्ट्रक्चर योजनाएं लागू की जा रही हैं। इस पहल का उद्देश्य जैविक संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग के ज़रिए सतत विकास को बढ़ावा देना है, साथ ही ग्रामीण रोजगार और हरित नौकरियों के नए अवसर भी सृजित करना है।

Bioeconomy: प्रमुख जानकारी-

क्या है जैवअर्थव्यवस्था (Bioeconomy)?

- **Bioeconomy** का आशय उन **नवीकरणीय जैविक संसाधनों** के उपयोग से है जिनसे **भोजन, ऊर्जा और औद्योगिक उत्पाद** बनाए जाते हैं।
- इसका उद्देश्य **सतत विकास** और **आर्थिक प्रगति** को एक साथ बढ़ावा देना है।
- इसमें **gene editing**, **bioprinting** जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग हो रहा है, जो नवाचार को गति देते हैं।
- विभिन्न क्षेत्रों के एकीकरण से इसका **दीर्घकालिक प्रभाव** और अधिक मज़बूत होता है।
- **डिजिटल टूल्स** और **सर्कुलर इकोनॉमी** के सिद्धांतों के साथ मिलकर यह **पर्यावरणीय समस्याओं** का समाधान और **सामाजिक भलाई** को बढ़ावा देता है।

भारत में Bioeconomy:

- भारत **दुनिया के टॉप 12 बायोटेक्नोलॉजी गंतव्यों** में शामिल है और **एशिया-प्रशांत में तीसरा सबसे बड़ा केंद्र** है।
- भारत की बायोइकोनॉमी **2014 में $10 बिलियन** से बढ़कर **2024 में $165.7 बिलियन** तक पहुँच गई है – यानी **16 गुना वृद्धि**।
- यह क्षेत्र भारत की GDP में **4.25% का योगदान** करता है और **पिछले चार वर्षों में 17.9% की CAGR** से बढ़ा है।
- भारत का बायोटेक क्षेत्र चार भागों में विभाजित है:Biopharmaceuticals, Bio-agriculture, Bio-IT, Bio-services

भविष्य के लक्ष्य: भारत का लक्ष्य है कि **2030 तक $300 बिलियन की Bioeconomy** बनाई जाए।

साथ ही भारत **वैश्विक बायो-फार्मा नेतृत्व**, विशेषकर **वैक्सीन, डायग्नोस्टिक्स और थेराप्यूटिक्स** में अग्रणी बनने की दिशा में कार्य कर रहा है।

BioE3: भारत की Bioeconomy के लिए एक रणनीतिक पहल-

क्या है BioE3?

- **BioE3 नीति** (2024) भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य **Biotechnology for Economy, Environment, and Employment** को सशक्त बनाना है।
- इसका लक्ष्य है **बायोइकोनॉमी की गति को तेज़ करना**, सतत विकास को बढ़ावा देना और **रोज़गार सृजन** के नए अवसर पैदा करना।

नीति के मुख्य फोकस क्षेत्र:

- देशभर में **Bio-AI Hubs**, **Bio-Foundries**, और **Bio-Enabler Hubs** की स्थापना
- **Advanced biotechnologies** और **सस्टेनेबल बायोमैन्युफैक्चरिंग** को प्रोत्साहन
- **पैन-इंडिया कार्यान्वयन** का दृष्टिकोण, जिससे समावेशी विकास सुनिश्चित हो

प्रारंभिक सफलता: **असम पहला राज्य** बना जिसने औपचारिक रूप से **BioE3 फ्रेमवर्क को अपनाया**, जिससे नीति के **राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार** का मार्ग प्रशस्त हुआ। यह पहल भारत को **वैश्विक बायोटेक्नोलॉजी नेतृत्व** की दिशा में तेज़ी से आगे ले जाने की क्षमता रखती है।

आगे की राह: भारत की बायोइकोनॉमी एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है, जहाँ नवाचार, सततता और समावेशी विकास को एकीकृत दृष्टिकोण के साथ अपनाया जा रहा है – जो वैश्विक स्तर पर एक नया मानक स्थापित कर रहा है।

सरकार की मजबूत नीतिगत रूपरेखाएं, उन्नत शोध कार्य और विभिन्न क्षेत्रों के बीच सहयोग पर ज़ोर यह सुनिश्चित करता है कि भारत औद्योगिक और पर्यावरणीय परिदृश्य को पुनर्परिभाषित करने की दिशा में मजबूती से अग्रसर है।

ग्रेट निकोबार परियोजना / Great Nicobar Project

संदर्भ:

केंद्र सरकार के पर्यावरण मंत्रालय ने ग्रेट निकोबार द्वीप पर प्रस्तावित मेगा इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजना के लिए दी गई पर्यावरणीय मंजूरी की समीक्षा हेतु गठित हाई-पावर्ड कमेटी (HPC) की रिपोर्ट को सीलबंद लिफाफे में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) को सौंप दिया है।

इसके साथ ही मंत्रालय ने एक अतिरिक्त हलफनामा भी दायर किया, जिसमें बताया गया है कि मार्च 2025 के अंत तक ₹80 करोड़ की राशि वन्यजीव संरक्षण और स्वास्थ्य सेवा संबंधी कार्यों के लिए जारी कर दी गई है – जैसा कि पर्यावरण मंजूरी की शर्तों में अनिवार्य किया गया था।

Great Nicobar Project: प्रमुख जानकारी

- **Great Nicobar Project** एक दीर्घकालिक, बहु-क्षेत्रीय अवसंरचना (infrastructure) परियोजना है, जिसका उद्देश्य **ग्रेट निकोबार द्वीप का समन्वित विकास** करना है।
- इस परियोजना में शामिल हैं:
  - अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल
  - सिविल व सैन्य हवाई अड्डा (dual-use airport)
  - नया टाउनशिप
  - 450 MVA क्षमता वाला गैस और सौर-आधारित पावर प्लांट
- परियोजना को **Andaman and Nicobar Islands Integrated Development Corporation Limited (ANIIDCO)** द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है।

परियोजना की आवश्यकता:

- **रणनीतिक स्थिति:** इंदिरा प्वाइंट, भारत का अंतिम दक्षिणी छोर, केवल 25-40 किमी दूर है प्रमुख अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट्स से – जहां 20-25% वैश्विक व्यापार और 35% तेल परिवहन होता है।
- **विदेशी निर्भरता में कमी:** भारत के 75% से अधिक ट्रांसशिप्ड कार्गो वर्तमान में कोलंबो, सिंगापुर और क्लांग जैसे विदेशी बंदरगाहों से होकर जाते हैं। यह परियोजना भारत को ट्रांसशिपमेंट हब बना सकती है।
- **सैन्य रणनीतिकता:** **भारतीय नौसेना की उपस्थिति** को बढ़ाना, खासतौर पर **चीन की "String of Pearls" नीति** के जवाब में, जिसके तहत वह भारत के आसपास बंदरगाह बना रहा है।
- **कनेक्टिविटी में सुधार:**
  - वर्तमान में ग्रेट निकोबार की मुख्य पहुंच **जहाज और हेलिकॉप्टर** के माध्यम से है।
  - प्रस्तावित **ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट** से भारतीय मुख्यभूमि और अंतरराष्ट्रीय शहरों से संपर्क बेहतर होगा।
- **सतत पर्यटन को बढ़ावा:** द्वीप की **जैव विविधता, उष्णकटिबंधीय पर्या**

ग्रेट निकोबार परियोजना: चिंताएं

1. **पर्यावरणीय क्षरण**
   - *13,000 हेक्टेयर जंगल* और *10 लाख पेड़ों* की कटाई से जैव विविधता को खतरा।
   - *मैंग्रोव नष्ट* होने का खतरा।
   - *लेदरबैक टर्टल* और *निकोबार मेगापोड* जैसे संकटग्रस्त प्रजातियों के आवास प्रभावित।
   - *कृत्रिम रोशनी* से कछुओं की प्रजनन प्रक्रिया में बाधा।
2. **जनजातीय प्रभाव**
   - *शोम्पेन* और *निकोबारी* जैसे PVTGs की भूमि पर परियोजना।
   - जनजातीय परिषद ने *2022 में NOC वापस* ली – परामर्श की कमी का आरोप।
   - *बाहरी संपर्क* से शोम्पेन जनजाति की *स्वास्थ्य व संस्कृति* पर खतरा।
3. **भूकंपीय जोखिम**
   - द्वीप *उच्च भूकंपीय क्षेत्र* में स्थित।
   - *2004 में भारी भूमि धँसाव*, भविष्य में भूकंप-सूनामी का खतरा।

कानूनी मुद्दे

- क्षेत्र *CRZ-1A* में आता है – *संवेदनशील पारिस्थितिकी* क्षेत्र।
- पर्यावरणीय *सुरक्षा मानकों की अनदेखी* का आरोप।

पेनिको (Peñico) का प्राचीन शहर

संदर्भ:

हाल ही में पुरातत्वविदों ने पेरू के उत्तरी बर्रांका प्रांत में 3,500 वर्ष पुराना एक प्राचीन शहर 'Peñico' की खोज की है। यह ऐतिहासिक खोज प्राचीन सभ्यताओं की सामाजिक, धार्मिक और स्थापत्य संरचनाओं की समझ को नया दृष्टिकोण देती है।

Ancient City of Peñico: प्रमुख जानकारी-

परिचय-

- **Peñico** एक प्राचीन शहर है, जो **लीमा (पेरू) से लगभग 200 किमी उत्तर** में, **600 मीटर की ऊँचाई** पर **Barranca प्रांत** में स्थित है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि-

- इसका कालखंड **1800 से 1500 ईसा पूर्व** का है – यह समयकाल **मेसोपोटामिया, मिस्र और सिंधु घाटी** की प्रारंभिक सभ्यताओं के समांतर रहा।
- Peñico संभवत: एक **प्रमुख व्यापारिक केंद्र** था, जो **प्रशांत तट, एंडीज पर्वत और अमेज़न बेसिन** को आपस में जोड़ता था।

महत्त्व व हाल की खोज-

- **मिलावटी कलाकृतियाँ:** खुदाई में मिट्टी की मानव व पशु मूर्तियाँ, अनुष्ठानिक वस्तुएं, और सीप व मोतियों की माला मिली हैं।
- **वास्तुशिल्प विशेषताएँ:** एक छत पर गोलाकार अनुष्ठानिक ढांचा, जिसके चारों ओर पत्थर और मिट्टी की इमारतें स्थित हैं।
- **सांस्कृतिक निरंतरता:** विशेषज्ञ मानते हैं कि Peñico, अमेरिका की सबसे पुरानी ज्ञात सभ्यता Caral की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाता है।
- **महत्त्व:** यह खोज Caral सभ्यता के पतन के बाद पेरू की प्रारंभिक सभ्यताओं के विकास और प्रवासन को समझने में महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रदान करती है – विशेषकर **जलवायु परिवर्तन के प्रभाव** के संदर्भ में।

सीन नदी / Seine River

संदर्भ:

पेरिस ने 1923 के बाद पहली बार सीन नदी को सार्वजनिक तैराकी के लिए फिर से खोल दिया है। यह ऐतिहासिक कदम विस्तृत और महत्त्वाकांक्षी सफाई अभियान के सफल समापन के बाद संभव हो पाया, जिसका उद्देश्य नदी को स्वच्छ और सुरक्षित बनाना था। यह पहल पेरिस ओलंपिक 2024 से पहले शहरी पारिस्थितिकी पुनरुद्धार का प्रतीक भी है।

The Seine River: प्रमुख जानकारी

उत्पत्ति (Origin)

- **सेन नदी (Seine River)** की उत्पत्ति **फ्रांस के उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित लांग्रेस पठार (Langres Plateau)** से होती है।

लंबाई: इसकी कुल लंबाई लगभग **777 किलोमीटर** है।

मुख्य सहायक नदियाँ: प्रमुख सहायक नदियाँ हैं: **ऑब (Aube)**, **मार्न (Marne)**, **योन (Yonne)**, **ओइस (Oise)**, और **यूरे (Eure)**।

आर्थिक भूमिका (Economic Role)

- इस नदी के माध्यम से हर वर्ष लगभग **2 करोड़ टन माल** का परिवहन होता है।
- यह फ्रांस की **दूसरी सबसे व्यस्त नदी** है और इसके चलते **सड़क यातायात में अनुमानित 8 लाख ट्रक यात्राओं की कमी** होती है।

मान्यता: **पेरिस में सेन नदी के किनारे** को **1991 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल** के रूप में शामिल किया गया था।

न्यू डेवलपमेंट बैंक / NDB

संदर्भ:

कोलंबिया और उज्बेकिस्तान ने आधिकारिक रूप **से New Development Bank (NDB)** की सदस्यता ग्रहण कर ली है, जिससे इस बहुपक्षीय विकास बैंक के सदस्यों की कुल संख्या अब 11 देशों तक पहुंच गई है।

- यह कदम वैश्विक दक्षिण के देशों के बीच आर्थिक सहयोग और विकास वित्त को मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है।

New Development Bank (NDB): प्रमुख जानकारी

स्थापना (Establishment)

- **New Development Bank (NDB)** की स्थापना **जुलाई 2014** में **6वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन** (फोर्टालेज़ा, ब्राज़ील) में हुई थी।
- यह बैंक **जुलाई 2015** में औपचारिक रूप से कार्यशील (operational) हुआ।

मुख्यालय (Headquarters)

- इसका मुख्यालय **शंघाई, चीन** में स्थित है।

उद्देश्य (Mandate)

- NDB का मुख्य उद्देश्य है **अवसंरचना (infrastructure)** और **सतत विकास परियोजनाओं** को वित्तपोषण प्रदान करना जो सदस्य देशों और अन्य क्षेत्रों में **आर्थिक वृद्धि और विकास** में योगदान दें।

पूंजीकरण (Capitalization)

- प्रारंभिक अधिकृत पूंजी (authorized capital): **$100 बिलियन**
- प्रत्येक **स्थापना सदस्य** ने **समान अंश** में योगदान दिया है।

सदस्यता (Members)

- **स्थापक सदस्य**: भारत, ब्राज़ील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका
- **अन्य सदस्य**: बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात (UAE), मिस्र, अल्जीरिया

शासन व्यवस्था (Governance)

- बैंक का संचालन **Board of Governors** और **Board of Directors** द्वारा किया जाता है।
- प्रत्येक सदस्य देश को **समान मतदान अधिकार** (equal voting rights) प्राप्त हैं, जिससे **समानता के सिद्धांत** को दर्शाया जाता है।

UAE's का गोल्डन वीज़ा

संदर्भ:

संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने नामांकन-आधारित Golden Visa योजना की शुरुआत की है, जिसके तहत भारत और बांग्लादेश के योग्य नागरिकों को आजन्म निवास (lifetime residency) प्रदान किया जाएगा।

- इस योजना की विशेष बात यह है कि इसके लिए प्रॉपर्टी या बिज़नेस में निवेश अनिवार्य नहीं है। यह पहल प्रतिभाशाली पेशेवरों, विशेषज्ञों और समाज में योगदान देने वालों को आकर्षित करने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

UAE's Golden Visa: प्रमुख जानकारी

UAE Golden Visa एक **दीर्घकालिक रेजिडेंसी वीजा** है जो विदेशियों को **बिना किसी स्थानीय प्रायोजक** के प्रदान किया जाता है।

- वीजा की अवधि **5 से 10 वर्ष** होती है और इसे **नवीनीकृत किया जा सकता है**।

मौजूदा श्रेणियाँ (Existing Categories)

- **निवेशक** (AED 2 मिलियन+ की अचल संपत्ति या व्यापार में निवेश)
- **उद्यमी (Entrepreneurs)**
- **असाधारण प्रतिभाएँ** – जैसे डॉक्टर, वैज्ञानिक, कलाकार, खिलाड़ी, पीएचडी धारक, टॉपर छात्र आदि।

नवीनतम पहल: Nomination-based Golden Visa

क्या बदला है?

- **5–10 वर्षों की बजाय अब आजीवन निवास**
- **कोई निवेश की आवश्यकता नहीं** (ना संपत्ति में, ना व्यापार में)
- **फिक्स्ड शुल्क**: AED 1,00,000 (लगभग ₹23.3 लाख)
- **पायलट योजना**: **भारतीय और बांग्लादेशी नागरिकों** के लिए शुरू की गई

मुख्य विशेषताएँ (Key Features)

- **योग्यता मूल्यांकन**:
  - आपराधिक और मनी लॉन्ड्रिंग पृष्ठभूमि की जांच
  - सोशल मीडिया समीक्षा
  - संभावित योगदान का मूल्यांकन – जैसे संस्कृति, वित्त, विज्ञान या स्टार्टअप क्षेत्रों में
- **प्री-अप्रूवल की सुविधा**:: अपने देश से ही आवेदन संभव, दुबई यात्रा की आवश्यकता नहीं

Pathshala
SCIENCE BOOK
FREE
बुक की ख़रीद पर पाएं
100%
CASHBACK
Latest Edition
Pathshala
सामान्य अध्ययन
(General Studies)
जनरल साइंस &
टेक्नोलॉजी
एक दिवसीय
परीक्षाओं के लिए
I'M
Possible
Ankit Kumar Avasthi
BUY NOW FROM
APNI PATHSHALA APP.
पहले 7 दिन की बुकिंग पर बुक बिलकुल फ्री

GS FOUNDATION For

UPSC & STATE PSC

- ECONOMY
- POLITY
- HISTORY
- GEOGRPHY

1500X4 ~~6000/-~~

₹4500/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY 1 YEAR

GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

HISTORY

FEE ~~₹ 2000/-~~

₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY **1 YEAR**

GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

ECONOMY

FEE ~~₹ 2000/-~~

₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY **1 YEAR**

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION
OF
INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year
validity

GS FOUNDATION

Hand Written Notes

Pathshala | AI

BEST OFFER
1999Rs

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Bilingual

By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,

और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

MONTHLY MAGAZINE

FREE!

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Billingual

ANKIT AVASTHI SIR

RAS FOUNDATION

HAND WRITTEN NOTES

अधिक जानकारी के लिए दिए
गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

BEST OFFER
4500 Rs

By Ankit Avasthi Sir

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
COUPON CODE
ANKIT500
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुआत

FOUNDATION COURSE OF MUTUAL FUND

COUPON CODE
ANKIT500

Invest in Knowledge Grow Your Wealth

Course fee
~~₹1999/-~~

Course fee
₹1499/-

Special
OFFER ON
Father's
DAY

Course Validity
1 YEAR

एक निवेश समझदारी से..

HOW MAY I HELP YOU
CALL
CENTRE
7878158882
AnkitInspiresIndia
Download "Apni Pathshsla" app now!
Follow us: